हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 45 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 18 मार्च से 24 मार्च 2022

4 राज्यों में सरकार गठन की कवायद तेज

PM नरेंद्र मोदी के आवास पर बड़ी बैठक

नई दिल्ली. पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में से चार राज्यों में मिली बंपर जीत के बाद अब सरकार के गठन की कवायद तेज हो गई है. इसी क्रम में भाजपा के वरिष्ठ नेता मंगलवार शाम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर एकत्रित हुए. इस बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा और वरिष्ठ नेता बीएल संतोष शामिल रहे. भाजपा ने उत्तर प्रदेश में 403 निर्वाचन क्षेत्रों में से 255 और 41.29 प्रतिशत वोट शेयर हासिल कर ऐतिहासिक जीत हासिल की है. इसके साथ ही उत्तर प्रदेश में 37 सालों के बाद किसी मुख्यमंत्री की दूसरे कार्यकाल के लिए वापसी हुई है. वहीं गोवा में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में भी उभरी है, जहां 40 सदस्यीय राज्य विधानसभा में 20 सीटें हासिल की हैं और कांग्रेस को 11 सीटों तक सीमित कर दिया है. वहीं मणिपुर विधानसभा चुनावों में भी भारतीय जनता पार्टी ने अन्य दलों को पीछे छोड़ते हुए बहुमत हासिल कर राज्य

में लगातार दूसरी बार सरकार बनाने का मौका हासिल किया है. इन चुनावों में भाजपा अकेले मैदाम में उतरी थी. जहां इसने 60 विधानसभा सीटों में से 32 पर जीत हासिल की. बता दें गोवा में विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के पांच दिन बाद भी भाजपा ने अगली सरकार बनाने का दावा पेश नहीं किया है. राज्य के कार्यवाहक मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा से मिलने के लिए मंगलवार शाम दिल्ली पहुंचे हैं. भाजपा सूत्रों के मुताबिक, विधायक दल के नेता के चयन के लिए भाजपा की गोवा इकाई के विधायक दल की बैठक बुधवार को होने की संभावना है. विधायक दल का नेता राज्य का अगला मुख्यमंत्री बनेगा. वहीं उत्तराखंड में सरकार गठन के लिए भी पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने प्रदेश के नेताओं के साथ मैराथन बैठक की.

देवेंद्र फड़नवीस ने पूछा, क्या दाऊद इब्राहिम के दबाव में नवाब मलिक से त्याग पत्र नहीं ले रही महाराष्ट्र सरकार?

मुंबई। महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक को हाई कोर्ट से राहत नहीं मिलने के बाद भाजपा को भी मलिक पर हमले का मौका मिल गया है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस ने कहा है कि नवाब मलिक से इस्तीफा तुरंत लिया जाना चाहिए या फिर मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे को उन्हें तुरंत बर्खास्त करना चाहिए फड़नवीस ने यह सवाल भी उठाया कि क्या

सरकार दाऊद इब्राहिम के दबाव में नवाब मलिक का इस्तीफा नहीं ले रही है? बता दें कि जिस भूमि खरीद मामले में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा नवाब मलिक की गिरफ्तारी हुई है, वह मामला सबसे पहले देवेंद्र फड़नवीस ने ही उठाया था। कुछ ही सप्ताह बाद इस मामले में पहले राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआइए) और फिर ईडी ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जिसके परिणामस्वरूप नवाब मलिक की गिरफ्तारी की गई है। मंगलवार को नवाब मलिक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका खारिज होने के बाद फड़नवीस ने कहा कि हाई कोर्ट ने नवाब मलिक की अर्जी खारिज कर ईडी की कार्रवाई को जायज ठहराया है। फड़नवीस ने पहले लगाए गए अपने ही आरोपों की याद दिलाते हुए कहा कि मुंबई बम विस्फोट कांड के एक आरोपित शाह वली खान और दाऊद के दाहिने हाथ कहे जाने वाले उसके एक और गुर्गे सलीम खान के माध्यम से एक भूखंड कौड़ियों के भाव खरीदा गया।

इस खरीद फरोख्त में झूठे कागजात तैयार किए गए थे और जमीन के वास्तविक मालिक को एक पैसा भी नहीं दिया गया था। फड़नवीस का आरोप है कि जमीन की इस खरीद-फरोख्त में मिला पैसा दाऊद की बहन हसीना पारकर के माध्यम से दाऊद तक पहुंचा। इस प्रकार परोक्ष रूप से यह पैसा आतंकी फंडिंग में ही जाता है। ये बातें जानते हुए भी राज्य सरकार कोई कार्रवाई नहीं कर रही है।

मुंबई के वडाला स्टेशन पर आरपीएफ के सिपाही ने इस तरह बचाई यात्री की जान

मुंबई। महाराष्ट्र में रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के सिपाही नेत्रपाल सिंह ने रविवार को मुंबई के वडाला स्टेशन पर एक यात्री को प्लेटफार्म और ट्रेन के बीच गिरने से बचा कर उसकी जान बचा ली।

इसके बाद इस दौरान यात्री को देखने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। रेलवे सुरक्षा बल ने 2021 में शुरू किए गए अपने ह्मिशन जीवन रक्षक के तहत मुंबई मंडल के रेलवे स्टेशनों और पटरियों पर 47 लोगों की जान बचाई। अधिकतर मामलों में आरपीएफ कर्मियों ने उन यात्रियों की जान बचाई जो मुंबई उपनगरीय/गैर-उपनगरीय नेटवर्क में रेलगाड़ियों में चढ़ते या उतरते समय लापरवाही करते थे और अपनी जान जोखिम में डालते थे। आरपीएफ कर्मियों ने न केवल हादसों को टाला बल्कि लोगों को आत्महत्या के प्रयास से भी बचाया।

नवाब मलिक को बॉम्बे हाई कोर्ट से नहीं मिली जमानत, दाऊद इब्राहिम मामले में हुए थे गिरफ्तार

मुंबई। दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग केस में महाराष्ट्र सरकार में मंत्री और एनसीपी नेता नवाब मलिक की याचिका पर आज बॉम्बे हाईकोर्ट अपना फैसला सुनाया। बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक की अंतरिम रिहाई का निर्देश देने से इनकार कर दिया। बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में अंतरिम आवेदन खारिज किया।एनसीपी कोटे से मंत्री नवाब मलिक को बॉम्बे हाई कोर्ट ने तगड़ा झटका दिया है। दाऊद इब्राहिम मनी लॉन्ड्रिंग केस में बॉम्बे हाईकोर्ट ने महाराष्ट्र के कैबिनेट मंत्री नवाब मलिक की अंतरिम रिहाई का निर्देश देने से इनकार कर दिया। कोर्ट ने मलिक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका में अंतरिम आवेदन खारिज कर दिया। ईडी ने नवाब मलिक को मनी लॉन्ड्रिंग के केस में गिफ्तार किया है।नवाब मलिक पर

आरोप हैं कि उनके संबंध दाऊद इब्राहिम और उसके रिश्तेदारों से हैं और उन्होंने अंडरवर्ल्ड डॉन की सम्पत्तियां खरीदी हैं। ईडी ने बीते दिनों नवाब मलिक को पूछताछ के लिए बुलाया था और फिर गिरफ्तार भी कर लिया। नवाब मलिक ने इसी मामले में दर्ज ऋकफ को रद्द करने के लिए हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया था, जिस पर आज सुनवाई हुई। बता दें कि महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मनी लांड्रिंग मामले में विशेष पीएमएलए अदालत ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका खारिज कर दी थी।मालूम हो कि बांबे हाईकोर्ट आज नवाब मलिक की बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर अपना फैसला सुनाया। मलिक ने अपनी गिरफ्तारी को चुनौती देते हुए यह याचिका दायर की थी। महाराष्ट्र के अल्पसंख्यक विकास मंत्री एवं एनसीपी के प्रवक्ता नवाब मलिक को प्रवर्तन निदेशालय ने 23 फरवरी को गिरफ्तार किया था। उन्हें भगोड़े गैंगस्टर दाऊद इब्राहिम और उसके गुर्गों से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में गिरफ्तार किया गया था। जानकारी हो कि मुंबई की एक विशेष अदालत ने 7 मार्च को नवाब मलिक को 14 दिन की न्यायिक हिरासत में भेज दिया था। मालूम हो कि नवाब मलिक को 23 फरवरी को मनी लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। विशेष पीएमएलए अदालत ने अंडरवर्ल्ड डॉन दाऊद इब्राहिम से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में नवाब मलिक के खिलाफ यह कार्रवाई की थी। नवाब मलिक ने अपनी इस अर्जी में कहा है कि प्रवर्तन निदेशालय की उनके खिलाफ की गई कार्रवाई गलत और गैरकानूनी है। मालूम हो कि इससे पहले तीन मार्च को हुई .

हिजाब संबंधी मामले में हाई कोर्ट के फैसले पर क्यों नाराज हुए सपा नेता अबु आजमी

मुंबई। हिजाब कंट्रोवर्सी मामले में कर्नाटक की हाईकोर्ट ने बड़ा फैसला सुनाया है. जिन स्टूडेंट्स ने हाईकोर्ट में याचिका दी थी और स्कूल-कॉलेज में हिजाब पहनकर जाने की इजाजत मांगी थी, उन सारी पिटिशन को कर्नाटक हाई कोर्ट ने डिसमिस कर दिया है. इससे महाराष्ट्र समाजवादी पार्टी के नेता और विधायक अबु आजमी नाराज हैं. उन्होंने कहा कि यह फैसला सही नहीं है, इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का विकल्प खुला हुआ है. इस मामले में याचिकाकर्ता स्टूडेंट्स ने स्कूल और कॉलेज में हिजाब पहनकर जाने की इजाजत मांगी थी उसे कर्नाटक कोर्ट ने पूरी तरह से दरकिनार कर दिया है.

आपको बताना चाहेंगे कि कुछ महीने पहले ही कर्नाटक के एक गर्ल्स कॉलेज में हिजाब पहनकर कक्षा में जाने को लेकर काफी ज्यादा बवाल मचा था. प्रबंधन का कहना था कि कक्षा के भीतर हिजाब पहनने की अनुमति ड्रेस कोड का उल्लंघन है. लेकिन छात्राएं हिजाब पहनने को लेकर अड़ी हुईं थीं. इसके बाद यह बवाल हिंदुस्तान के दूसरे राज्यों में भी फैलता चला गया. कर्नाटक के मुस्लिम संगठनों ने मांग की थी कि उन्हें हिजाब पहनकर स्कूल और कॉलेज में जाने की अनुमति मिले.

महाराष्ट्र में भाजपा नेताओं को फंसाने के आरोप में घिरे सरकारी वकील प्रवीण चह्वाण का इस्तीफा

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार के विशेष अधिवक्ता प्रवीण चह्वाण ने सोमवार को अपने पद से त्यागपत्र दे दिया है। कुछ ही दिन पहले विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष देवेंद्र फड़नवीस ने चह्वाण पर भाजपा नेताओं के विरुद्ध साजिश रचने का आरोप लगाया था। फड़नवीस ने इस साजिश से संबंधित 125 घंटों की वीडियो रिकार्डिंग विधानसभा अध्यक्ष को सौंपी थी। महाराष्ट्र के गृह मंत्री दिलीप वलसे पाटिल ने जानकारी दी कि प्रवीण चह्वाण ने विशेष सरकारी अधिवक्ता के पद से त्यागपत्र दे दिया है। पाटिल ने यह भी बताया कि फड़नवीस द्वारा चह्वाण पर लगाए गए आरोपों की जांच राज्य की सीआइडी करेगी। गौरतलब है कि आरोप लगने के बाद प्रवीण चह्वाण ने कहा

था कि यह वीडियो तोड़-मरोड़ कर पेश किया गया है। प्रवीण चह्वाण ने यह संदेह भी जताया था कि यह वीडियो रिकार्डिंग स्टिंग आपरेशन के जरिये उनके ही किसी मुवक्किल ने उनके कार्यालय की दीवार घड़ी में जासूसी कैमरा लगाकर की होगी। विरोधी दल के नेताओं को फंसाने की इस साजिश की जांच भाजपा केंद्रीय एजेंसियों से करवाना चाहती है। हालांकि, राज्य के गृह मंत्री ने इसकी जांच राज्य सीआइडी को सौंपकर इसे राज्य की एजेंसी के ही पास रखने की कोशिश की है।भाजपा नेता देवेंद्र फड़नवीस ने सोमवार को एक और धमाका करते हुए एक सीडी विधानसभा अध्यक्ष को सौंपी। इसमें वक्फ बोर्ड के दो सदस्यों के बीच बातचीत दिखाई गई है।

मायावती और औवेसी को दिया जाना चाहिए भारत रत्न! शिवसेना सांसद संजय राउत ने कसा तंज

मुंबईः शिवसेना के नेता और सांसद संजय राउत ने उत्तर प्रदेश में भारतीय जनता पार्टी की प्रचंड जीत पर तंज कसते हुए कहा कि यूपी उनका राज्य था, लेकिन फिर भी अखिलेश यादव की सीटें तीन गुना बढ़ गई हैं. बीजेपी की जीत में बसपा प्रमुख मायावती और ओवैसी का योगदान है, इन सबको पद्मविभूषण और भारत रत्न देना चाहिए. उन्होंने कहा कि भाजपा ने चार राज्यों में जीत हासिल की, लेकिन उत्तराखंड में उनके मुख्यमंत्री हार गए, गोवा में उनके दो उप मुख्यमंत्री हार गए और पंजाब में तो भाजपा जो एक राष्ट्रीय पार्टी है, उसको जनता ने पूरी तरह ही नकार दिया है. पीएम मोदी, गृह मंत्री और रक्षा मंत्री ने वहां जमकर प्रचार किया फिर भी बीजेपी क्यों हार गई? सांसद संजय राउत ने कहा कि आप (भाजपा) हमें बार-बार पूछते हो कि शिवसेना को यूपी में कितनी सीटें मिलीं? यूपी में कांग्रेस और शिवसेना की जो हार हुई है उससे बुरा हाल आप (भाजपा) का पंजाब में हुआ है. इस बारे में आप थोड़ा देश को मार्गदर्शन दीजिए. विपक्ष में कई लोगों ने बसपा और एआईएमआईएम पर भाजपा की ह्बीह्व टीम होने का आरोप लगाया था, जो भाजपा विरोधी वोटों को विभाजित करने के लिए चुनाव लड़ती है. हालांकि दोनों दलों ने बार-बार इस तरह के आरोपों से इनकार किया है.

महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका खारिज

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में मनी लांड्रिंग मामले में विशेष पीएमएलए अदालत ने सोमवार को महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख की जमानत याचिका खारिज कर दी है। अवैध वसूली के आरोप में अनिल देशमुख को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने दो नवंबर, 2021 को गिरफ्तार किया था। अनिल देशमुख फिलहाल मुंबई की आर्थर रोड जेल में न्यायिक हिरासत में बंद हैं। मुंबई के पूर्व पुलिस आयुक्त परमबीर सिंह ने आरोप लगाया था कि अनिल देशमुख, जो उस समय गृह मंत्री थे, ने मुंबई के कुछ चुनिंदा पुलिस अधिकारियों को रेस्तरां और बार से प्रति माह 100

करोड़ रुपये वसूलने के लिए कहा था। अनिल देशमुख ने इन आरोपों से इन्कार किया है। आरोप लगने के बाद अनिल देशमुख को अपना पद छोड़ना पड़ा था। सीबीआइ ने प्रारंभिक जांच के बाद अनिल देशमुख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की थी। सीबीआइ अधिकारियों ने भ्रष्टाचार के मामले में आर्थर रोड जेल में महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख का बयान दर्ज किया। एक अधिकारी ने यह जानकारी दी। जेल अधिकारी ने कहा कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआइ) ने देशमुख का बयान दर्ज किया था। उन्होंने कहा कि सीबीआइ की एक टीम मुंबई की आर्थर रोड जेल पहुंची, जहां देशमुख इस समय बंद हैं।

मुंबई में 12वीं का केमिस्ट्री पेपर हुआ लीक, कोचिंग टीचर गिरफ्तार

मुंबईः महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में सोमवार को एक निजी कोचिंग के एक शिक्षक को बारहवीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में कथित तौर पर अपने छात्रों को नकल करने में मदद करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी।

विले पार्ले पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मलाड में एक कोचिंग चलाने वाले मुकेश यादव ने एक वाट्सएप ग्रुप बनाया था। इस ग्रुप में एक छात्र ने परीक्षा हाल में रसायन विज्ञान के प्रश्नपत्र मिलने के कुछ मिनट बाद उसकी तस्वीरें भेजीं। इसके आधार पर यादव ने अपने वाट्सएप

ग्रुप में छात्रों को उत्तर भेजे। एक लड़की परीक्षा हाल में देर से आई तो एक शिक्षक ने उसका मोबाइल फोन चेक किया, तब नकल का खुलासा हुआ।

शिक्षक ने तुरंत उच्च अधिकारियों को सूचित किया। इसके बाद पुलिस को फोन किया। अधिकारी ने कहा कि यादव पर आइपीसी, सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम और बांबे विश्वविद्यालय अधिनियम के प्रावधानों के तहत आरोप लगाया गया था। उन्होंने बताया कि इस मामले में अब तक तीन छात्रों से पूछताछ की जा चुकी है।

संपादकीय

संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला

द्रविड़ राजनीति के लिए नए सबक

दशकों से तमिलनाडु की सत्ता पर काबिज द्रमुक और अन्नाद्रमुक का आधार द्रविड़ विचारकों की सामाजिक न्याय की अवधारणा रही है। यहां सन 1967 में कांग्रेस सरकार का अंत हुआ था, जिसके बाद से द्रविड़ विचारधारा और कल्याणकारी राज्य संबंधी नीतियों का संगम ही मतदाताओं को लुभाता रहा है। पिछले दिनों उत्तर प्रदेश में भाजपा के हाथों समाजवादी पार्टी की हार ने हिंदुत्व की ताकत से मुकाबला करने की संयुक्त ओबीसी की सीमा को संभवतः उजागर कर दिया है। मगर तमिलनाडु में कहानी बिल्कुल अलग है। यहां लोगों को गैर-द्रविड़ विकल्प मुहैया कराने के लिए विभिन्न राजनीतिक संगठनों ने वर्षों से कई प्रयास किए हैं। मगर यह कवायद जमीन पर सफल नहीं हो सकी है। इसीलिए, द्रविड़ विचारधारा आज भी निर्विरोध कायम है। इसके उलट, राज्य के अन्य दल द्रविड़ विचारधारा के नकलची या घटिया प्रतिरूप बनकर रह गए हैं। यहां के वामपंथी दल भी इसके अपवाद नहीं हैं। 1980 के दशक के अंत में वीपी सिंह और लालू प्रसाद यादव ने ओबीसी ताकत के बूते हिंदुत्व की लहर पैदा करने वाली कोशिशों को नाकाम किया था। 23 अक्तूबर, 1990 को लालू यादव ने बिहार के समस्तीपुर में लालकृष्ण आडवाणी को गिरफ्तार करके उनकी रथयात्रा बाकायदा रोक दी थी। इससे पहले वीपी सिंह पिछड़ी जातियों के मतों के बूते ही प्रधानमंत्री के पद तक पहुंच पाए थे।इस बार मुलायम सिंह यादव के बेटे अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में ओबीसी मतों को एकजुट करने के लिए सामाजिक न्याय की अवधारणा को आगे बढ़ाया। उन्होंने गठबंधन बनाने के लिए गैर-यादव, गैर-जाटव दलितों और अन्य अति पिछड़े समुदायों को एक साथ लाने का प्रयास किया। उन्होंने किसान जैसे विभिन्न हित समूहों को भी अपने साथ

बजट सत्र का दूसरा चरण

2022 विपक्ष समस्याओं को तो गिनाता है लेकिन यह बताने करने से इन्कार करता है कि उनका समाधान कैसे हो सकता है? उसके ऐसे रवैये के कारण ही उसका यह दावा थोथा साबित होता है कि वह तो सरकार को रचनात्मक सहयोग देने को तैयार रहता है। संसद के बजट सत्र के दूसरे चरण में यह आशा की जा सकती है कि दोनों सदनों में हंगामा और शोर-शराबा नहीं होगा। इस आशा का एक कारण तो यह है कि बजट सत्र के पहले चरण में विपक्ष ने संयम का परिचय देते हुए हंगामा करने के बजाय विभिन्न मुद्दों पर बहस करना पसंद किया था और दूसरा यह कि पांच में से चार राज्यों में विपक्षी दलों को पराजय का सामना करना पड़ा है। स्पष्ट है कि पंजाब में शानदार जीत के कारण आम आदमी पार्टी तो उत्साहित होगी, लेकिन कांग्रेस समेत शेष विपक्षी दल मायूस होंगे।संसद में यह मायूसी खीझ में तब्दील होती हुई नहीं दिखनी चाहिए। विपक्ष को इसका आभास होना चाहिए कि संसद के शीतकालीन सत्र में व्यर्थ में हंगामा करने से उसे कुछ हासिल नहीं हुआ था। यह किसी से छिपा नहीं

कि उस दौरान वह संसद को चलने भी नहीं दे रहा था और ऐसे आरोप भी लगा रहा था कि सरकार उसकी बात सुनने को तैयार नहीं। उसके इस रवैये से देश को यही संदेश गया था कि विपक्षी दल संसद में अपने दायित्वों का निर्वहन करने के मामले में गंभीर नहीं। विपक्ष को यह भी याद रहे तो बेहतर कि उसने जिस तथाकथित किसान आंदोलन को हवा दी, उसका पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों में कहीं कोई असर नहीं दिखा। उलटे जनता ने उस कांग्रेस को कड़ा सबक सिखाया, जो इस आंदोलन के पक्ष में खुलकर खड़ी हुई थी। पंजाब में तो वे किसान नेता भी बुरी तरह पराजित हुए, जो चुनाव मैदान में उतरे थे।संसद राष्ट्रीय महत्व के विषयों पर चर्चा का मंच है। यहां यही काम होना चाहिए और वह भी पूरी गंभीरता के साथ।

गंभीरता का यह अभाव न केवल समय की बबार्दी का कारण बनता है, बल्कि जनता को निराश करने का भी काम करता है। निःसंदेह सदन चलाना सत्तापक्ष का दायित्व है, लेकिन वह अपने इस दायित्व की पूर्ति तभी कर सकता है, जब विपक्ष हंगामा करने की जिद न पकड़े। राज्यसभा में कांग्रेस के नेता मल्लिकाजरुन खड़गे का कहना है कि वह महंगाई, बेरोजगारी के साथ ही यूक्रेन में फंसे छात्रों का मुद्दा उठाएंगे।

क्या वह इससे अवगत नहीं कि वहां फंसे छात्रों को सुरक्षित स्वदेश ले आया गया है? जो भी हो, इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि विपक्ष कई बार विरोध के लिए विरोध वाली राजनीति की राह पर चलते दिखता है।

होलिका दहन के समय इन बातों का रखें ध्यान, वैवाहिक जीवन रहेगा खुशहाल

होली का त्योहार नजदीक आ रहा है। यह साल का वह समय है, जब लोग इकट्ठा होते हैं। वह टूटे हुए रिश्तों की मरम्मत करते हैं। होली से एक दिन पहले लोग छोटी होली मनाते हैं। जिसे होलिका दहन के नाम से भी जाना जाता है। यह दिन बुराई पर अच्छाई की

जीत का प्रतीक है। इस दिन लोग अपने जीवन से नकारात्मकता को दूर करने के लिए होलिका जलाते हैं। वह अपने परिवारों की भलाई के लिए प्रार्थना करते हैं। हिंदू शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन प्रदोष काल के दौरान किया जाता है। मुहूर्त प्रदोष के दौरान होता है, जबकि पूर्णिमासी तिथि प्रचलित होती है।

गोरखपुर में होलिका दहन शोभायात्रा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, चुनाव में मिली जीत सुशासन पर जनता की मुहर

गोरखपुरः मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मिली जीत महज राजनीतिक परिणाम नहीं है। यह सत्य की जीत का उदाहरण भी है। सुरक्षा, सुशासन, विकास और जनकल्याण के प्रति पांच वर्ष तक पूरी प्रतिबद्धता और ईमानदारी से किए गए कार्यों के फलस्वरूप भाजपा को मिली प्रचंड जीत सरकार के प्रयास पर जनता की मुहर है। इसीलिए जनता ने होली का इंतजार किए बिना 10 मार्च से ही होली खेलनी शुरू कर दी है। यूपी विधानसभा चुनाव में भाजपा को दो तिहाई बहुमत से मिली जीत के बाद पहली बार गोरखपुर पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ गुरुवार की शाम पांडेयहाता में होलिका दहन उत्सव समिति की ओर आयोजित होलिका दहन शोभायात्रा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने भक्त प्रहलाद की आरती उतारकर शोभायात्रा को रवाना किया और पुष्पों से होली खेली। प्रचंड बहुमत से दोबारा सरकार बनाने का मौका देने के लिए प्रदेशवासियों के प्रति आभार जताते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आठ वर्ष पहले सुरक्षा, विकास और सुशासन की नींव रखी, जो अब जन विश्वास का प्रतीक बन गई है। समाज के हर वर्ग को योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए भेदभाव मुक्त कार्य हुए, उनका सुखद परिणाम चुनाव में देखने को मिला है। विपक्ष की ओर से तमाम भ्रामक प्रचार किए गए, लेकिन प्रधानमंत्री के नेतृत्व में जनता का विश्वास दृढ़ता से कायम रहा। विपक्ष की कारगुजारी धरी रह गई।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश विकास पथ पर तेजी के साथ आगे बढ़ा है। अब हमारा लक्ष्य प्रदेश को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने के साथ ही अग्रणी राज्य बनाना भी है। इसके लिए जीवन के हर क्षेत्र में कड़ी और स्वस्थ प्रतिस्पर्धा विकसित करनी होगी। होली के पर्व की प्रासंगिकता भी यही होगी कि हम सभी इस स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में अपना योगदान देने के लिए संकल्पित हों। भाजपा सरकार गरीब कल्याण की योजनाओं के प्रति संवेदनशील रही है और आगे भी रहेगी।

अच्छे कार्य का अवसर मिले तो मत चूकिए मत : मुख्यमंत्री ने कहा कि हर युग में भगवान का अवतरण हुआ है। होली का पर्व भगवान नृसिंह के अवतरण की कथा को बताता है। शिक्षा देता है कि अन्यायी, अत्याचारी, दुराचारी कितना भी बड़ा हो, उसके आगे झुकने की जरूरत नहीं है। हमें हमेशा उमंग के साथ लोक कल्याण की भावना का हिस्सा बनकर आगे बढ़ना है। ऐसे में छोटे से छोटे अच्छे कार्य का भी अवसर मिले तो चूकिए मत। यदि कोई कार्य बुरा है तो उसमें आगे मत आइए।

गोरखपुर की जनता ने रच दिया इतिहास : मुख्यमंत्री ने विधानसभा चुनाव परिणाम को लेकर जताते हुए कहा कि गोरखपुर की जनता ने इतिहास रच दिया है। आजादी के बाद पहली बार भाजपा को जिले की सभी सीटों पर जीत मिली है।

सपा की हार में कांग्रेस को दिखी उम्मीद

लखनऊ। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में 2.33 प्रतिशत वोट और दो सीटें पाने वाली कांग्रेस समाजवादी पार्टी की हार से भविष्य के सपने बुनने लगी है। चुनाव में भाजपा का विकल्प बनने की सपा की विफलता को कांग्रेस पार्टी वर्ष 2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव के लिए अपने लिए उम्मीद के तौर पर देख रही है। कांग्रेस को यह लग रहा है कि भाजपा के खिलाफ लामबंद हुए जो मतदाता चुनाव में सपा का समर्थन करने के बावजूद उसे सत्ता में न ला सके, वे अगले लोकसभा चुनाव में उसे विकल्प के तौर पर आजमाएंगे। विधानसभा चुनाव में कांग्रेस की करारी हार के कारणों की समीक्षा के लिए मंगलवार को नई

दिल्ली में प्रियंका गांधी वाड्रा की अध्यक्षता में हुई बैठक में पार्टी की इसी धारणा के आधार पर लोकसभा चुनाव के लिए रणनीति तय करने पर सहमति बनी है। बैठक में उप्र के ज्यादातर कांग्रेस पदाधिकारियों ने यह दलील दी कि चुनाव में ध्रुवीकरण के कारण मुकाबला भाजपा-सपा के बीच केंद्रित हो गया। ध्रुवीकरण के कारण महंगाई, बेरोजगारी जैसे मुद्दों को लेकर भाजपा से नाराज मतदाताओं को कांग्रेस विकल्प के तौर पर भले ही न दिखी हो, लेकिन सपा के पीछे पूरी ताकत झोंकने वाले मतदाताओं का यह वर्ग लोकसभा चुनाव में स्वाभाविक तौर पर कांग्रेस की ओर मुड़ेगा।

अखिलेश बोले- जनता ने सपा को मान लिया भाजपा का विकल्प, सभी वर्गों के समर्थन से मतदान प्रतिशत व सीटें दोनों बढ़ीं

लखनऊ। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि प्रदेश की जनता ने अपने जनादेश से सपा को भाजपा का विकल्प मान लिया है। समाज के सभी वर्गों का समर्थन पार्टी के साथ है। इसी के फलस्वरूप ही जनता, कार्यकर्ताओं के सहयोग से सपा की सीटें और मतदान प्रतिशत बढ़ा है। चुनाव के तुरंत बाद बढ़ती महंगाई, खराब कानून व्यवस्था और बढ़ते अत्याचार से भाजपा के विरुद्ध जनता की नाराजगी और बढ़ गई है।

अखिलेश ने कहा कि सच तो यह है कि भाजपा को संविधान और लोकतंत्र पर भरोसा नहीं है। वह छल-बल की राजनीति और धन-बल की ताकत की आजमाइश से सत्ता में बने रहना चाहती है। जिस तरह से भाजपा ने सरकार बनाई है वह किसी से छिपा नहीं है।

ईवीएम से भाजपा को चुनावी जीत मिली है, जबकि नैतिक जीत सपा की हुई है। भाजपा की ताकत पहले से घटी है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की राजनीति में जनता ने भाजपा के विकल्प के रूप में सपा को चुनकर देश की राजनीति में बदलाव के भी संकेत दिए हैं। राजनीति में अब एकाधिकारी ताकतों को मतदाता प्रश्रय नहीं देगा।

वह समाजवाद, संविधान और लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता सपा के साथ जाहिर करेगा। सपा भी अपनी भूमिका सक्रियता से निभाएगी।

कविता

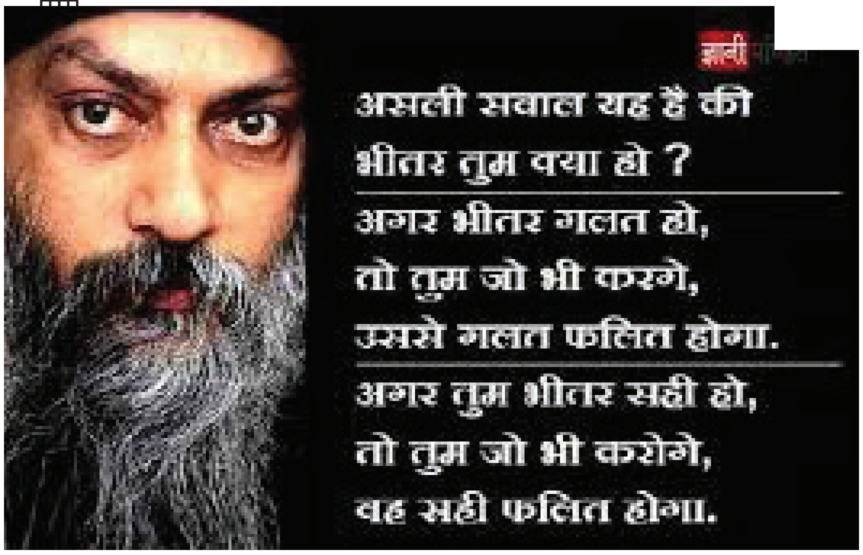

कहै कबीर दीवाना-ओशो

जवान व्यक्ति व्यक्तियों को प्रेम करेगा। बूढ़े होते-होते उसमें दो घटनाओं में से एक घट गई होगी। या तो उसने व्यक्तियों से हार कर वस्तुओं से प्रेम शुरू कर दिया होगा। और या व्यक्तियों में जो थोड़ा सा रस पाया, उसकी समझ के आधार पर, उसने परमात्मा की खोज शुरू कर दी होगी। या तो वह व्यक्तियों के ऊपर बैठकर महा व्यक्ति को, समष्टि को प्रेम करने लगेगा। और या नीचे गिरकर वस्तुओं को प्रेम करने लगेगा।

ये दो घटनाएं इसलिए घटती है, क्योंकि व्यक्तियों के प्रेम दो विकल्प सदा मौजूद हैं। व्यक्तियों के प्रेम में रस भी मिलता है। और व्यक्तियों के प्रेम में संघर्ष भी मिलता है। दुख भी मिलता है और सुख भी मिलता है। व्यक्तियों का प्रेम दोहरा है। प्रेमी सुख भी देते हैं दुख भी देते हैं। तुम सभी जानते हो। अगर कभी किसी को प्रेम किया है, तो उससे दोनों चीजें मिलती हैं।

अब यह तुम पर निर्भर है कि तुमने व्यक्ति के द्वारा पाये गए अगर दुख पर बहुत ध्यान दिया, जारी......

इम्यूनिटी को मजबूत कर सभी तरह के संक्रमणों से लड़ने में मदद करती हैं हरी सब्ज़ियां

हरी पत्तेदार सब्ज़ियां आपकी पसंदीदा हों या न हों इन्हें सर्दियों में डाइट में जरूर शामिल करें। यह न सिर्फ कई तरह के पोषण तत्वों से भरपूर होती हैं बल्कि इम्यूनिटी को बढ़ावा भी देती हैं ताकि हमारा शरीर किसी भी तरहा डेस्क। एक बार फिर कोरोना वायरस की नए वेरिएंट ने दुनियाभर में सभी की चिंता बढ़ा दी है। ओमिक्रॉन के आने से भारत में भी तेजी से मामले बढ़ रहे हैं। ऐसे में इस संक्रमण से बचने के लिए एक्सपर्ट्स कोविड से जुड़ी सावधानियों को बरतने के साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता यानी इम्यूनिटी को मजबूत करने की सलाह दे रहे हैं। इम्यूनिटी को कई तरह के उपाय की मदद से बढ़ावा दिया जा सकता है, जैसे काढ़ा, हर्बल-टी, योग, सप्लीमेंट आदि। इसके अलावा सही डाइट भी आपकी इम्यूनिटी को मजबूती देने का काम करती है। सिर पर हाथ रखकर बैठा दुखी पुरुष क्या है बर्न आउट सिंड्रोम? एक्सपर्ट से जानें पत्तेदार सब्ज़ियां आपकी पसंदीदा हों या न हों, इन्हें सर्दियों में डाइट

में जरूर शामिल करें। यह न सिर्फ कई तरह के पोषण तत्वों से भरपूर होती हैं, बल्कि इम्यूनिटी को बढ़ावा भी देती हैं, ताकि हमारा शरीर किसी भी तरह के संक्रमण से लड़ सके। केल, स्विस चार्ड आदि जैसी गहरे हरे रंग की पत्तेदार सब्ज़ियां एंटीऑक्सिडेंट्स, विटामिन-सी और ई से भरपूर होती हैं। इनका सेवन करने से आपकी इम्यूनिटी को बढ़ावा मिलता है। आप इनकी सब्जी बना सकते हैं या फिर इसे सलाद के रूप में खा सकते हैं। इसके अलावा इसका जूस भी बनाया जा सकता है। विटामिन-सी, ए, ज़िंक, आयरन से भरपूर पालक में कई एंटीऑक्सिडेंट्स और बीटा कैरोटीन भी शामिल होते हैं। विटामिन-सी और बीटा कैरोटीन दोनों ही हमारी प्रतिरक्षा प्रणाली को बीमारियों से लड़ने की ताकत देते हैं। यही वजह है कि इम्यूनिटी बढ़ाने के लिए पालक के सेवन की सलाह दी जाती है। पालक को पकाते समय थोड़ा कच्चा ही रखें, इससे आपको अधिक फायदा पहुंचेगा। ब्रोकली को सुपरफूड माना जाता है, क्योंकि यह सब्जी विटामिन ए, के, सी, फोलेट और फाइबर जैसे तत्वों का भंडार है। ब्रोकली इम्युनिटी मजबूत करने का भी काम करती है।

द कश्मीर फाइल्स में अनुपम खेर और पल्लवी जोशी की अहम भूमिका है।

नई दिल्ली: द कश्मीर फाइल्स लगातार बॉक्स ऑफिस पर ताबड़तोड़ कमाई कर रही है' इस फिल्म का निर्देशन विवेक रंजन अग्निहोत्री ने किया है' इस फिल्म को काफी अच्छी रिव्यूज मिल रहे हैं' वहीं कई लोगों ने इसपर प्रतिक्रिया दी है' अब बॉलीवुड के कलाकार भी खुलकर इस विषय पर अपनी बात रख रहे हैं' वहीं कुछ कलाकारों के अभिनय को भी सराहा जा रहा हैं' अब कश्मीरी पंडित व अभिनेत्री संदीपा धार ने फिल्म देखने के बाद एक भावुक नोट लिखा है' उन्होंने बताया कि किस प्रकार उनके परिवार को 1990 में कश्मीरी पंडितों के जेनोसाइड के दौरान घर छोड़ना पड़ा' संदीपा धार ने अपनी आपबीती इंस्टाग्राम पर शेयर की है' इसके साथ उन्होंने अपने घर की तस्वीरें भी शेयर की है' उन्होंने लिखा है, ह्यजिस दिन उन्होंने घोषणा की कि कश्मीरी पंडितों को अपनी महिलाओं को पीछे छोड़कर कश्मीर से जाना होगा, मेरे परिवार ने निर्णय लिया कि हम अपना पैतृक घर छोड़ देंगे' हम एक ट्रक के पीछे छिपे रहे'

मेरी कजिन सिस्टर को पीछे वाली सीट के नीचे छुपा गया था और ऐसा रात में किया गया था' संदीपा धार ने आगे लिखा है, ह्यद कश्मीर फाइल्स में एक बार फिर उन बुरे दिनों की याद को ताजा कर दिया है' इसके वजह से मैं पूरी तरह से हिली हुई हूं' मेरी दादी मां का निधन हो गया है' वह हमेशा अपने घर जाना चाहती थी' अपनी जमीन पर, अपने कश्मीर पर' यह फिल्म मेरे लिए एक पंच की तरह है' मेरे परिवार के लिए यह काफी चुनौती भरा रहा' यह कहानी बहुत पहले कहीं जानी चाहिए थी' यह एक कहानी है पर हमें अभी भी न्याय नहीं मिला है'.

गेंदबाजी कोच के तौर नई पारी शुरू करने इस आइपीएल टीम के साथ जुड़े तेज गेंदबाज डेल स्टेन

मुंबई: दक्षिण अफ्रीका के पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन आइपीएल में सनराइजर्स हैदराबाद के गेंदबाजी कोच के तौर पर अपनी नई पारी शुरू करने के लिए गुरुवार को भारत पहुंच गए। पिछले साल अगस्त में संन्यास लेने वाले 38 वर्षीय स्टेन सनराइजर्स हैदराबाद के कोचिंग स्टाफ से जुड़ेंगे, जिसमें मुख्य कोच टाम मूडी, बल्लेबाजी कोच ब्रायन लारा और स्पिन गेंदबाजी कोच मुथैया मुरलीधरन शामिल हैं। स्टेन ने सनराइजर्स के लिए 95 मैचों में 97 विकेट लिए हैं। उन्होंने एक वीडियो में कहा, ह्यहां, वापसी के बाद काफी खुश हूं। मैं कुछ समय से भारत में रहा हूं, इसलिए वापसी करके काफी रोमांचित हूं। एयर पोर्ट से ड्राइव करते हुए इतनी सारी यादें ताजा हो गईं। मैं यहां पहले भी आ चुका हूं, दक्षिण अफ्रीकी टीम के साथ या आइपीएल टीमों के साथ, इसलिए मैं काफी रोमांचित हूं। मेरे लिए एक नई भूमिका, कोचिंग की भूमिका को लेकर मैं सचमुच काफी रोमांचित हूं। खिलाड़ियों को देखने की यह पूरी तरह से नई भूमिका है, जो शानदार है। मैं मैदान में उतरने के लिए तैयार हूं। आपको बता दें कि डेल स्टेन खुद भी आइपीएल में खेल चुके हैं और उन्होंने इस लीग के 11 सीजन में हिस्सा लिया। पहले उन्होंने साल 2008 से 2016 तक और फिर 2019-20 में वो इस लीग में खेले। डेल स्टेन ने इस लीग में कुल 95 मैचों में हिस्सा लिया था और इसमें 97 विकेट चटकाए थे। उनका औसत 25.85 का रहा तो वहीं उनका इकानामी रेट 6.91 का रहा था। डेल स्टेन का इस लीग में बेस्ट प्रदर्शन 8 रन देकर 3 विकेट रहा था। आइपीएल में साल 2013 में उन्होंने सबसे शानदार प्रदर्शन किया था और 17 मैचों में कुल 19 विकेट चटकाए थे। इस सीजन में उनका बेस्ट

डायना इडुल्जी चाहती हैं बल्लेबाजी क्रम में ऊपर आएं हरमनप्रीत, रंगास्वामी ने मिताली का समर्थन किया

नई दिल्ली: भारतीय महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तानों डायना इडुल्जी और शांता रंगास्वामी का मानना है कि भारतीय महिला क्रिकेट टीम मौजूदा विश्व कप जैसी बड़ी प्रतियोगिता में उतार-चढ़ाव वाला प्रदर्शन नहीं कर सकती और उन्होंने बल्लेबाजी विभाग में प्रदर्शन में अधिक निरंतरता लाने को कहा।भारत ने विश्व कप में अब तक दो जीत दर्ज की हैं, जबकि दो मुकाबले गंवाए हैं। डायना इडुल्जी ने कहा, ह्यजब वे (हरमनप्रीत और स्मृति) फार्म में हैं और आत्मविश्वास के साथ खेल रही हैं जो उन्हें अधिक से अधिक ओवर खेलने दीजिए। वे एक-दूसरे का अच्छा साथ देती हैं और विकेटों के बीच अच्छी तरह दौड़ती हैं। सलामी जोड़ी (स्मृति और यस्तिका भाटिया) ठीक है क्योंकि शेफाली वर्मा फार्म में नहीं लग रहीं। अगर आपको बायें और दायें हाथ की बल्लेबाजों का संयोजन चाहिए तो हरमनप्रीत तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी कर सकती हैं, उनके बाद दीप्ति और अगर शीर्षक्रम ध्वस्त होता है तो मिताली पांचवें नंबर पर पारी को नियंत्रित कर सकती हैं।

रंगास्वामी ने कहा, ह्यमिताली और दीप्ति पहले रन बना रही थीं, लेकिन मौजूदा टूर्नामेंट में उन्होंने अब तक अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है। उम्मीद करती हूं कि ये दोनों विशेषकर मिताली आस्ट्रेलिया के खिलाफ अच्छा प्रदर्शन करेंगी क्योंकि वह भारतीय बल्लेबाजी का अहम हिस्सा हैं। स्मृति शीर्ष पर अच्छा खेल रही हैं और हरमनप्रीत की फार्म में वापसी भारत के लिए अच्छा संकेत है। गेंदबाजों ने विश्व कप में अब तक अच्छा प्रदर्शन किया है।

वनडे और टी20 के लिए पाकिस्तान टीम का एलान

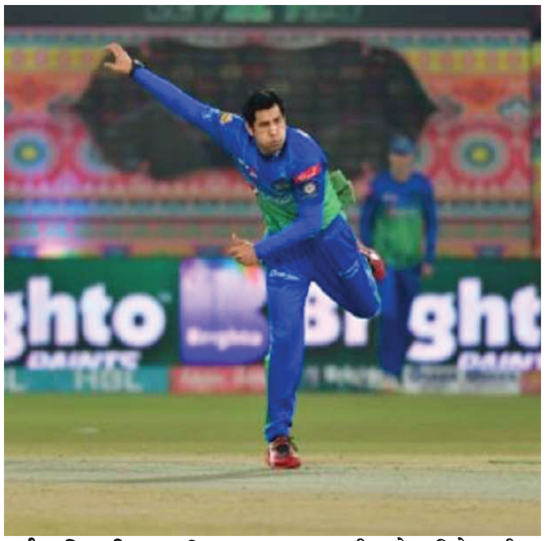

नई दिल्ली। पाकिस्तान की टीम ने आस्ट्रेलिया के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम का एलान कर दिया है। अनकैप्ड खिलाड़ी आसिफ अफरीदी और मोहम्मद हैरिस को टीम में जगह मिली है। बाएं हाथ के स्पिन गेंदबाज आसिफ ने हालिया पाकिस्तान सुपर लीग में अच्छी गेंदबाजी की थी और 5 मैचों में 8 विकेट लिया था।दूसरी ओर विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद हैरिस भी अपनी बल्लेबाजी से चयनकर्ताओं का भरोसा जीतने में कामयाब रहे हैं। उन्होंने पीसीएल के 5 मैचों में 186.5 की स्ट्राइक रेट से 166 रन बनाए थे। हालांकि न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज में मोहम्मद हैरिस को मौका दिया गया था लेकिन सुरक्षा कारणों से न्यूजीलैंड ने दौरा कैंसिल कर दिया था।

महाराष्ट्र में कोरोना की दूसरी लहर के दौरान 8584 बच्चों की मौत

मुंबईः कोविड की दूसरी लहर के दौरान फरवरी से अप्रैल 2021 के बीच महाराष्ट्र में पांच वर्ष से कम 8584 बच्चों की मृत्यु हुई है। यह जानकारी बुधवार को विधानसभा में महाराष्ट्र की महिला व बाल विकास मंत्री यशोमती ठाकुर ने एक सवाल के जवाब में दी। यशोमती ठाकुर ने एक सवाल के लिखित जवाब में बताया कि ये मौतें ज्यादातर औद्योगिक व आर्थिक रूप से मजबूत जिलों में हुई है। पांच वर्ष से कम के बच्चों की सर्वाधिक 923 मौतें नागपुर में, 79 मुंबई में, 587 औरंगाबाद में, 422 पुणे में व 417 मौतें नासिक में हुई हैं। हालांकि मंत्री के लिखित बयान में मौत के कारणों को स्पष्ट नहीं किया गया है।

लेकिन उन्होंने बताया कि कोविड महामारी के दौरान राज्य में गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली महिलाओं, कुपोषित व बीमार बच्चों की उपेक्षा नहीं की गई है। मंत्री के अनुसार, महामारी के दौरान स्वास्थ्य के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया था। अब माताओं व बच्चों के स्वास्थ्य सुधार के लिए इस समिति की सिफारिशों को लागू किया जा रहा है। कोरोना संक्रमण के मामले पिछले कुछ दिनों से तीन हजार से नीचे बने हुए हैं।

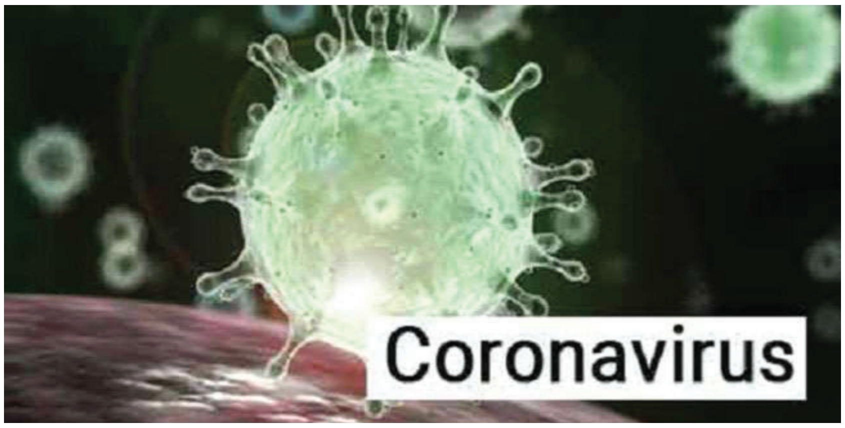

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की ओर से बुधवार सुबह आठ बजे अपडेट किए गए आंकड़ों के मुताबिक बीते 24 घंटे में 2,876 नए मामले सामने आए हैं और 98 लोगों की जान गई है। इसके साथ ही अब तक सामने आए कुल संक्रमितों का आंकड़ा 4.29 करोड़ को पार कर गया है, जबकि मृतकों की संख्या 5.16 लाख हो गई है। इस दौरान सक्रिय मामलों में 1,106 की कमी आई है।

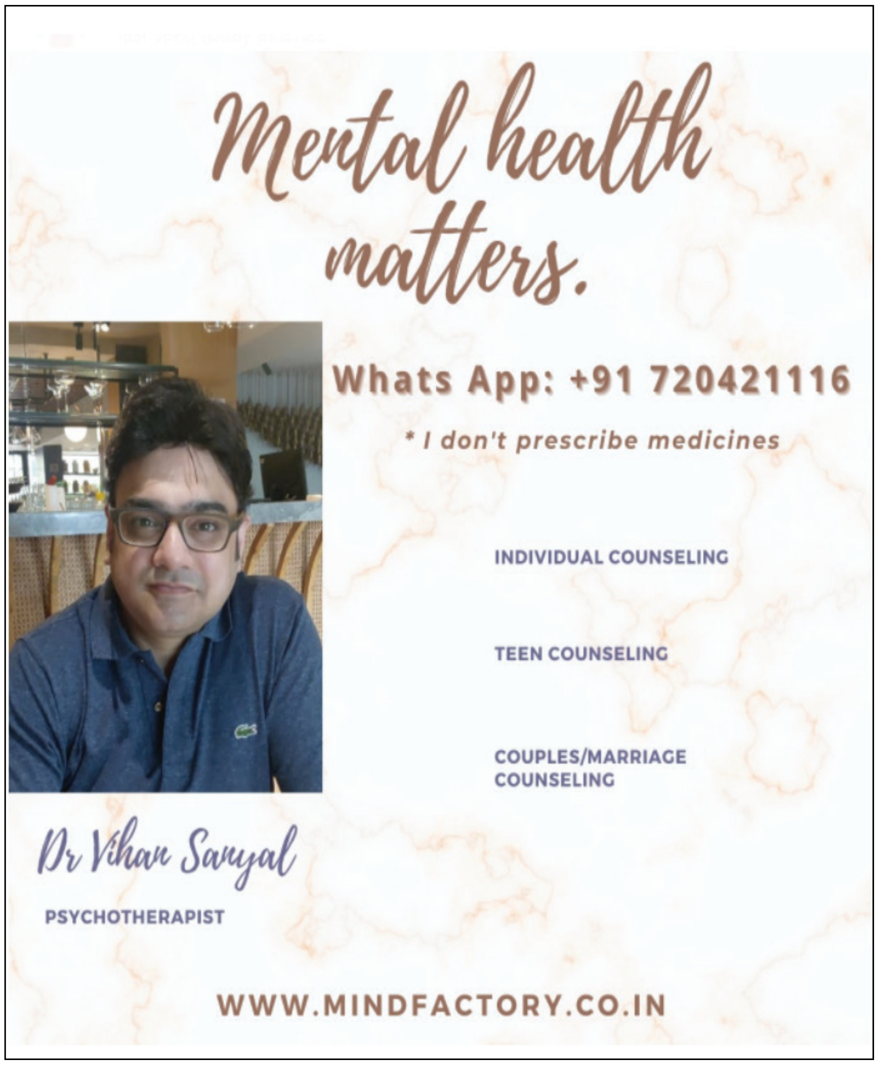

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट, ऑफ आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास, गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अंधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित। संपादकः मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेलः newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net